एम.ए.-सत्रार्द्धपरीक्षापाठ्यक्रमः

(नियमितच्छात्राणां कृते)

वास्तुशास्त्र

2019-20

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः

देवासमार्गः,उज्जयिनी (म.प्र.) 456010

दूरभाषः- (0734) 2526044, दूरप्रैषः- (0734) 2524845

अणुसङ्केतः - regpsvvmp@rediffmail.com,अन्तर्जालपुटम्- www.mpsvvujjain.org

एम.ए.-वास्तुशास्त्र(स्नातकोत्तर)पाठ्यक्रम

"नियमावली"

- **पाठ्यक्रम का संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारम्भ -**

(क) इस पाठ्यक्रम का नाम **एम.ए.वास्तुशास्त्र पाठ्यक्रम** होगा।

(ख) इसका विस्तार नियमित पाठ्यक्रम के लिये है। इसकी परीक्षाएँ महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय द्वारा संचालित की जायेंगी।

- **पाठ्यक्रम का स्वरुप -**

एम.ए.वास्तुशास्त्र परीक्षा का द्विवार्षिक पाठ्यक्रम चार सत्रार्द्धों में विभक्त होगा। पाठ्यक्रम में प्रतिसत्रार्द्ध चार प्रश्नपत्र होंगे। चतुर्थ सत्रार्द्ध में 5 प्रश्नपत्र होंगे। जिसमें 5 वाँ प्रश्नपत्र स्वशास्त्रीय विषय पर आधारित परियोजना प्रतिवेदन के लिए 100 अङ्क निर्धारित हैं। परियोजना कार्य के अन्तर्गत अनुवाद, पाण्डुलिपि सम्पादन, प्रशिक्षण दान, सर्वेक्षण, कार्यस्थल प्रशिक्षण, लघुशोधप्रबंध लेखन आदि कार्य कर सकते हैं। परियोजना प्रतिवेदन सुवाच्य अक्षरों में लिखित या टंकित स्वीकार किया जायेगा। पाठ्यक्रम में प्रत्येक प्रश्नपत्र का पूर्णाङ्क 50 है। जिसमें 15 अङ्कों का आन्तरिक मूल्याङ्कन तथा 35 अङ्कों की सैद्धान्तिक (बाह्य) परीक्षा होगी।

- **परीक्षा योजना एवं माध्यम -**
- एम.ए.(वास्तुशास्त्र) परीक्षा का माध्यम हिन्दी अथवा संस्कृत होगा। हिन्दी माध्यम में प्रविष्ट छात्रों को संस्कृत सम्भाषण डिप्लोमा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। परियोजना प्रतिवेदन की भाषा भी संस्कृत अथवा हिन्दी होगी।
- एम.ए.(वास्तुशास्त्र) परीक्षा में (प्रथम-द्वितीय-तृतीय-चतुर्थसत्रार्द्ध) उत्तीर्ण होने के लिए समष्टि रूप से 36%अङ्क तथा प्रतिप्रश्नपत्र 20% अङ्क अपेक्षित होंगे।
- **प्रवेश की अर्हता -**
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नईदिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से (किसी भी विषय में) स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।

उपाध्यायः

- ऐसे अभ्यर्थी जिन्होंने शास्त्री/बी.ए.(स्नातक) अथवा समकक्ष परीक्षा ज्योतिष/ज्योतिर्विज्ञान अथवा वास्तुशास्त्र विषय के साथ अथवा बी.आर्क. परीक्षा उत्तीर्ण की हो उन्हें वरीयता प्रदान की जाएगी।

प्रश्नपत्र निर्माण योजना -

प्रतिप्रश्नपत्र निम्नानुसार त्रिविध प्रश्न होंगे। उनमें प्रत्येक प्रश्न में एक विकल्प अनिवार्य रहेगा।

क्रमांक	प्रश्नप्रकार	प्रश्नसङ्ख्या	अङ्क	योग
1	बहुविकल्पीय	5	1	5
2	लघूत्तरीय/टिप्पण्यात्मक	5	2	10
3	निबन्धात्मक/व्याख्यात्मक	5	4	20
4	आन्तरिक मूल्याङ्कन			15
योग				50 अङ्क

- **श्रेणी निर्धारण**

एम.ए.(वास्तुशास्त्र) परीक्षा में दोनों वर्षों(चारों सत्रार्द्ध)के सम्पूर्ण योग के आधार पर श्रेणी निर्धारण किया जायेगा -

- 60%अङ्क अथवा उससे अधिक अङ्कों की प्राप्ति पर प्रथम श्रेणी।
- 48%अङ्क से अधिक किन्तु 60%अङ्क से कम पर द्वितीय श्रेणी ।

  36%अङ्क से अधिक किन्तु 48%अङ्क से कम पर तृतीय श्रेणी ।

- **उपब्ध स्थान -**

उक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु उपलब्ध स्थान 40 निर्धारित हैं। प्रवेश के लिए उपलब्ध स्थानों पर राज्यशासन के नियमानुसार आरक्षण प्रदान किया जायेगा।

- **शुल्क -**

  छात्रों का प्रवेश शुल्क, परीक्षा तथा अन्य विभिन्न गतिविधियों का शुल्क विश्वविद्यालय के सम्बन्धित अध्यादेश के प्रावधानोंके अनुसार निर्धारित किया जायेगा, जिन्हें समय-समय पर आवश्यक होने पर संशोधित किया जा सकेगा।

- **परीक्षा संचालन एवं उपाधि की पात्रता -**

  प्रस्तुत पाठ्यक्रम की परीक्षा का संचालन विश्वविद्यालय द्वारा सम्बन्धित अध्यादेशोंमें विहित प्रावधानों के अनुसार किया जायेगा। उक्त स्नातकोत्तर परीक्षा पूर्ण करने के पश्चात् उत्तीर्ण होने पर **एम.ए.-वास्तुशास्त्र**की उपाधि प्रदान की जायेगी।

स्नातकोत्तर परीक्षा पाठ्यक्रम

POST GRADUATE EXAMINATION SYLLABUS

एम्.ए.(वास्तुशास्त्र)

M.A.(VASTUSHASTRA)

क्र.	सत्रार्द्ध/ Semester	प्रश्नपत्र/ Papers	प्रश्नपत्र का शीर्षक/Title of Paper	पूर्णाङ्क/ Max.Marks
1.	प्रथम	प्रथम	वास्तुशास्त्र का इतिहास	35
		द्वितीय	प्रारम्भिक वास्तुशास्त्र	35
		तृतीय	पुरनियोजन	35
		चतुर्थ	वराहमिहिर – वास्तु	35
2.	द्वितीय	प्रथम	विश्वकर्मा – वास्तु	35
		द्वितीय	शिल्पशास्त्र	35
		तृतीय	भारतीय स्थापत्यकला	35
		चतुर्थ	भवन निर्माण एवं सुरक्षा	35
3.	तृतीय	प्रथम	मय – वास्तु	35
		द्वितीय	भोज – वास्तु	35
		तृतीय	देवालय – वास्तु	35
		चतुर्थ	आधुनिक वास्तु योजना	35
4.	चतुर्थ	प्रथम	मंडन – वास्तु	35
		द्वितीय	भोज – वास्तु	35
		तृतीय	मन्दिर स्थापत्य की शैलियाँ	35
		चतुर्थ	व्यवहार वास्तु	35
		पञ्चम	परियोजना प्रतिवेदन	100
			योग	660
			आन्तरिक मूल्यांकन	240
			महायोग	900

उपाध्यायः

एम.ए.वास्तुशास्त्र

M.A. VASTUSHASTRA

प्रथमसत्रार्द्ध

प्रश्नपत्र - प्रथम

वास्तुशास्त्र का इतिहास

पूर्णाङ्क 35 +15 = 50

इकाई 01	**वास्तुशास्त्र की उत्पत्ति एवं क्रमिकविकास** वास्तुशास्त्र की परिभाषा , भेद, उपभेद , उत्पत्ति एवं विकास , वास्तुशास्त्र का वेदाङ्गत्व	07
इकाई 02	**वैदिकवाङ्मय में वास्तुशास्त्र** संहिता ग्रंथों में , ब्राह्मणग्रंथों में , सूत्र ग्रंथों में वास्तुशास्त्र	07
इकाई 03	**इतिहास एवं पुराण साहित्य में वास्तुशास्त्र** रामायण में , महाभारत में , अग्नि पुराण, मत्स्यपुराण, गरुडपुराण, स्कन्दपुराण, विष्णु धर्मोत्तर एवं अन्य पुराणों में वास्तुशास्त्र	07
इकाई 04	**संस्कृतवाङ्मय में वास्तुशास्त्रम्** अर्थशास्त्र , नाट्यशास्त्र , शुक्रनीति , कालिदास एवं बाणभट्ट साहित्य में वास्तुशास्त्र	07
इकाई 05	**वास्तुशास्त्र के प्रवर्तक एवं ग्रन्थ**	07

अनुशंसित पुस्तकें :

1 भारतीय वास्तुशास्त्र का इतिहास, डॉ. विद्याधर, ईस्टर्न बुक लिंकर्स. नई दिल्ली

अङ्कविभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नलिखित व्यवस्थानुसार प्रश्न होंगे –

1 बहुविकल्पीयप्रश्न $1 \times 5 = 5$

2 लघूत्तरीयप्रश्न $2 \times 5 = 10$

3 दीर्घोत्तरीयप्रश्न $4 \times 5 = 20$

आन्तरिक मूल्यांकन 15

एम्.ए.वास्तुशास्त्र

M.A. VASTUSHASTRA

प्रथमसत्रार्द्ध

प्रश्नपत्र - द्वितीय

प्रारम्भिक वास्तुशास्त्र **पूर्णाङ्क** 35 +15 = 50

इकाई 01	**वास्तुपुरुष की उत्पत्ति, लक्षण एवं भूमि - परीक्षण** 1.वास्तुपुरुष की उत्पत्ति एवं लक्षण 2.भूमि का चयन 3. वास्तु के प्रकार 4. भूमि का परीक्षण 5. भूमि का आकार 6. भूमि का प्लव	07
इकाई 02	**गृहारम्भ** 1. गृहारम्भ के समय विचारणीय विषय (मुहूर्त आदि) 2. गृहमेलापक विचार (काकिणी, वर्ग) 3. आयव्ययादि विचार 4. शालाध्रुवांक, गृहनामाक्षर,षोडश गृहनाम 5. वृषवास्तुचक्र एवं लग्नशुद्धि	07
इकाई 03	**गृह-अभिविन्यास** 1.एकाशीति पदवास्तुमण्डल 2. चतुःषष्टि वास्तुमण्डल 3. पदानुसार गृहविन्यास 4. द्वार निर्माण 5.जलस्थान का निर्धारण 6. शुभ वृक्ष एवं वनस्पतियाँ	07
इकाई 04	**भू-शोधन एवं खनन** 1. खनन – विधि 2. वार, राशि, नक्षत्र आदि के अनुसार राहु की स्थिति पर विचार 3. शल्योद्धार 4. नींव में निवेशित वस्तुएँ (गर्भविन्यास) 5. अहिबलचक्र	07
इकाई 05	**गृहप्रवेश एवं वेधविचार** 1. गृहप्रवेश विचार2. गृहप्रवेश मुहूर्त 3. कलशचक्रशुद्धि 4. वास्तुशान्ति 5. वेधविचार	07

टीप:- प्रत्येक इकाई के पाठ्यसन्दर्भों का मानचित्रों द्वारा निरूपण भी अपेक्षित रहेगा।

ઉપાધ્યાયમ:

अनुशंसित पुस्तकें :

1. विश्वकर्माप्रकाश, टीकाकार - गणेशदत्त पाठक, श्री ठाकुर प्रसाद पुस्तक भण्डार, वाराणसी
2. वृहद्वास्तुमाला, श्री रामनिहोर द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती ग्रन्थमाला, वाराणसी

अङ्कविभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नलिखित व्यवस्थानुसार प्रश्न होंगे –

1 बहुविकल्पीयप्रश्न	1 × 5 = 5
2 लघूत्तरीयप्रश्न	2 × 5 = 10
3 दीर्घोत्तरीयप्रश्न	4 × 5 = 20
आन्तरिक मूल्यांकन	15

एम्.ए.वास्तुशास्त्र

M.A. VASTUSHASTRA

प्रथमसत्रार्द्ध

प्रश्नपत्र - तृतीय

पुरनियोजन **पूर्णाङ्क** 35 +15 = 50

इकाई 01	ग्रामनियोजन मयमत अ. 05 मानोपकरण ,अ. 09 ग्रामविन्यास	07
इकाई 02	नगरनियोजन **मयमत** अ. 10 नगरविन्यास , **समरांगणसूत्रधार** अ. 18 नगरादिसंज्ञा	07
इकाई 03	जलाशय एवम् उद्यान विष्णुधर्मोत्तरपुराण अ. 3/296 जलाशय माहात्म्य, 3/298 जलाशय संरक्षण एवं स्वच्छता, 2/30 वृक्षायुर्वेद, 3/297 वृक्षारोपण माहात्म्य	07
इकाई 04	*पुरप्रबन्धन* *अर्थशास्त्र अ.1/19 राजभवन निर्माण, 2/1 जनपद स्थापना, 2/2 भूमिप्रबन्धन, 2/3 दुर्गविधान, 3/8,9,10 गृहवास्तु,कृषिक्षेत्र, मार्ग, चरनोई भूमि प्रबन्धन, 4/3 अग्नि, जल तथा दुर्भिक्ष सम्बन्धी आपदा प्रबन्धन* ***आधुनिक पुरप्रबंधन***	07
इकाई 05	***नगरयोजना का अध्ययन*** ***प्राचीन नगर*** *– हड़प्पा ,मोहनजोदड़ो, हस्तिनापुर, कान्यकुब्ज , राजगृह , पाटलिपुत्र, जयपुर आदि* ***आधुनिक नगर*** *– चंडीगढ़, गुरुग्राम, फरीदाबाद, कनाट प्लेस ,नई दिल्ली आदि*	07

टीप:- प्रत्येक इकाई के पाठ्यसन्दर्भों का मानचित्रों द्वारा निरूपण भी अपेक्षित रहेगा।

अनुशंसित पुस्तकें :

1. मयमत , टीकाकार – शैलजा पाण्डेय, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी
2. मयमत , टीकाकार – ब्रूनो डेगेंस, मोतीलाल बनारसीदास प्रकाशन , वाराणसी
3. विष्णुधर्मोत्तर पुराण , चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी
4. समरांगणसूत्रधार , टीकाकार – श्रीकृष्ण जुगनू , चौखम्भा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
5. अर्थशास्त्र , कौटिल्य , चौखम्भा विद्याभवन , वाराणसी
6. भारतीय वास्तुशास्त्र का इतिहास, डॉ. विद्याधर, ईस्टर्न बुक लिंकर्स. नई दिल्ली
7. भारत का भूगोल ,माजिद हुसैन .mcgraw hill, chennai

अङ्कविभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नलिखित व्यवस्थानुसार प्रश्न होंगे –

1 बहुविकल्पीयप्रश्न	$1 \times 5 = 5$
2 लघूत्तरीयप्रश्न	$2 \times 5 = 10$
3 दीर्घोत्तरीयप्रश्न	$4 \times 5 = 20$
आन्तरिक मूल्यांकन	15

उपाध्यायः

एम्.ए.वास्तुशास्त्र

M.A. VASTUSHASTRA

प्रथमसत्रार्द्ध

प्रश्नपत्र – चतुर्थ

वराहमिहिर - वास्तु पूर्णाङ्क 35 +15 = 50

इकाई 01	बृहत्संहिता अ. 53 वास्तुविद्या	07
इकाई 02	बृहत्संहिता अ. 54 दकार्गल , अ. 55 वृक्षायुर्वेद	07
इकाई 03	बृहत्संहिता अ. 56 प्रासादलक्षण , अ. 57 वज्रलेपलक्षण	07
इकाई 04	बृहत्संहिता अ. 58 प्रतिमालक्षण , अ. 59 वनसम्प्रवेश, अ. 60 प्रतिमाप्रतिष्ठापन	07
इकाई 05	बृहत्संहिता अ. 80 रत्नपरीक्षा , अ. 81 मुक्तालक्षण, अ. 84 दीपलक्षण	07

टीप:- प्रत्येक इकाई के पाठ्यसन्दर्भों का मानचित्रों द्वारा निरूपण भी अपेक्षित रहेगा।

अनुशंसित पुस्तकें :

1. बृहत्संहिता , श्री अच्युतानन्द झा , चौखम्बा विद्याभवन , वाराणसी

अङ्कविभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नलिखित व्यवस्थानुसार प्रश्न होंगे –

1 बहुविकल्पीयप्रश्न	1 × 5 = 5
2 लघूत्तरीयप्रश्न	2 × 5 = 10
3 दीर्घोत्तरीयप्रश्न	4 × 5 = 20
आन्तरिक मूल्यांकन	15

एम्.ए.वास्तुशास्त्र

M.A. VASTUSHASTRA

द्वितीय सत्रार्द्ध

प्रश्नपत्र – प्रथम

विश्वकर्मा-वास्तु पूर्णाङ्क 35 +15 = 50

इकाई 01	**विश्वकर्मवास्तुशास्त्र** अ. 10 दुर्गलक्षण , अ. 14 भवनलक्षण, अ. 15 पूर्वभवनलक्षण	07
इकाई 02	**विश्वकर्मवास्तुशास्त्र** अ. 16 न्यायलक्षण , अ. 17 पौरदेश्यसभादिकथन , अ. 18 भाण्डागारलक्षण, अ. 19 अन्तःपुरलक्षण , अ. 20 आयुधशालालक्षण	07
इकाई 03	**विश्वकर्मवास्तुशास्त्र** अ. 22 भोजनशालालक्षण , अ. 23 शय्यागृहलक्षण, अ. 24 वसंतगृहलक्षण, अ. 33 वापीलक्षण , अ. 34 तटाकलक्षण , अ. 40 विद्याशालालक्षण ,अ. 49 रंगशालालक्षण	07
इकाई 04	**विश्वकर्मवास्तुशास्त्र** अ. 51 ग्रामगृहनिर्माणकथन , अ. 52 चातुर्वर्ण्यगृहलक्षण, अ. 54 सोपानलक्षण, अ. 61 सन्धिबन्धकथन , अ. 62 आवरणलक्षण , अ. 66 गोशालालक्षण ,अ. 68,69 मार्गलक्षण, अ. 70 मार्गविश्रान्तिलक्षण	07
इकाई 05	**विश्वकर्मवास्तुशास्त्र** अ. 72 देवप्रासादलक्षण , अ. 73 गर्भगृहलक्षण, अ. 79 सकलबेरलक्षण , अ. 83 भक्तबेरस्थापनक्रम	07

टीप:- प्रत्येक इकाई के पाठ्यसन्दर्भों का मानचित्रों द्वारा निरूपण भी अपेक्षित रहेगा।

उपाध्यायः

अनुशंसित पुस्तकें :

1. विश्वकर्मवास्तुशास्त्र , श्रीकृष्ण जुगनू , परिमल संस्कृत ग्रंथमाला, दिल्ली

अङ्कविभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नलिखित व्यवस्थानुसार प्रश्न होंगे –

1 बहुविकल्पीयप्रश्न	1 × 5 = 5
2 लघूत्तरीयप्रश्न	2 × 5 = 10
3 दीर्घोत्तरीयप्रश्न	4 × 5 = 20
आन्तरिक मूल्यांकन	15

एम्.ए.वास्तुशास्त्र

द्वितीय सत्रार्द्ध

प्रश्नपत्र – द्वितीय

शिल्पशास्त्र

पूर्णाङ्क 35 +15 = 50

इकाई 01	**अपराजितपृच्छा** सू. 38 भारतक्षेत्रपरिचय , सू. 39 वनयात्रा,सू. 40 शिलापरीक्षा सू. 41 हस्तकम्बी प्रमाण , सू. 42 गणितशब्दनिघंटु	07
इकाई 02	अपराजितपृच्छा सू. 43ज्योतिषपञ्चांगवासना , सू. 44 अवकहडा ज्योतिष , सू. 45 दशादिज्योतिषफल , सू. 46 ज्योतिषलक्षण	07
इकाई 03	**अपराजितपृच्छा** सू. 47 गणितक्षेत्रनिर्णय , सू. 48 भूपरीक्षा ,सू. 49सूत्रधारपरीक्षा सू. 50 सूत्रधारलक्षण , सू. 51 भूपरीक्षा तथा कीलकरोपण	07
इकाई 04	**अपराजितपृच्छा** सू. 53 कूर्मप्रमाणपदप्रतिष्ठा , सू. 54 वास्तूत्पत्ति , सू. 55 देवतान्यास , सू. 56 देवतानिघंटु , सू. 59 वास्तुमर्म , सू. 60 वास्तुपरिभ्रमणगुणदोष	07
इकाई 05	अपराजितपृच्छा सू. 69 गृहवेश्मादिवर्णन , सू. 72 राजपुरनिवेश , सू. 74 वापीकूपतडागादिनिर्णय , सू. 75 शस्यावतार , सू. 77 सभाष्टकवेदीनिर्णय सू. 84,85 गृहग्रामशोभावर्णन , सू. 107 प्रासादजाति	07

टीप:- प्रत्येक इकाई के पाठ्यसन्दर्भों का मानचित्रों द्वारा निरूपण भी अपेक्षित रहेगा।

अनुशंसित पुस्तकें :

1. अपराजितपृच्छा , श्रीकृष्ण जुगनू , परिमल संस्कृत ग्रंथमाला, दिल्ली

अङ्कविभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नलिखित व्यवस्थानुसार प्रश्न होंगे –

1 बहुविकल्पीयप्रश्न	1 × 5 = 5
2 लघूत्तरीयप्रश्न	2 × 5 = 10
3 दीर्घोत्तरीयप्रश्न	4 × 5 = 20
आन्तरिक मूल्यांकन	15

एम्.ए.वास्तुशास्त्र

M.A. VASTUSHASTRA

द्वितीय सत्रार्द्ध

प्रश्नपत्र – तृतीय

भारतीय स्थापत्यकला

पूर्णाङ्क 35 +15 = 50

इकाई 01	सैन्धव स्थापत्य	07
इकाई 02	प्राक मौर्य तथा मौर्यकालीन स्थापत्य	07
इकाई 03	शुंग,सातवाहन तथा कुषाणकालीन स्थापत्य	07
इकाई 04	गुप्त, उडीसा, चंदेल तथा राजपूत स्थापत्य	07
इकाई 05	दक्षिण भारतीय स्थापत्य	07

टीप:- प्रत्येक इकाई के पाठ्यसन्दर्भों का मानचित्रों द्वारा निरूपण भी अपेक्षित रहेगा।

अनुशंसित पुस्तकें :

1. भारतीय स्थापत्य एवं कला , प्रो उदयनारायण उपाध्याय , प्रो गौतम तिवारी , मोतीलाल बनारसीदास , वाराणसी

अङ्कविभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नलिखित व्यवस्थानुसार प्रश्न होंगे –

1 बहुविकल्पीयप्रश्न 1 × 5 = 5

2 लघूत्तरीयप्रश्न 2 × 5 = 10

3 दीर्घोत्तरीयप्रश्न 4 × 5 = 20

आन्तरिक मूल्यांकन 15

एम्.ए.वास्तुशास्त्र

M.A. VASTUSHASTRA

द्वितीय सत्रार्द्ध

प्रश्नपत्र – चतुर्थ

भवननिर्माण एवं सुरक्षा

पूर्णाङ्क 35 +15 = 50

इकाई 01	भवन योजना के सिद्धान्त, क्षेत्र निरीक्षण , मृदा परीक्षण , नींव की उपयोगिता ,गहराई, नींवयोजना (काली मिट्टी में , खाई के निकट ,मशीनों हेतु)	07
इकाई 02	पारम्परिक निर्माण सामग्री – परिचय, गुणदोष , प्राप्ति तथा उपयोगिता **विष्णुधर्मोत्तरपुराण** अ. 3/89 दारु परीक्षा , अ. 3/90 शिलापरीक्षा, अ. 3/९१ इष्टिकापरीक्षा शिला, चूना, लकडी तथा ईंट का आधुनिक अध्ययन	07
इकाई 03	आधुनिक निर्माण सामग्री - परिचय, गुणदोष , प्राप्ति तथा उपयोगिता सीमेंट, सिरेमिक सामग्री (टाइल , टेराकोटा ,क्ले ब्लाक), रेत – गारा , सीमेंट – कांक्रीट, कच्चा लोहा , इस्पात , एलुमिनियम ,प्लास्टिक आदि	07
इकाई 04	*जंग, नमी, जल ,दीमक तथा अग्नि से सुरक्षा के उपाय*	07
इकाई 05	*भूकम्परोधिता के उपाय ,आई. एस. कोड १८९३ (भाग 01) 2002(संरचनाओं के भूकम्परोधी डिजायन के मानदण्ड)*	07

टीप:- प्रत्येक इकाई के पाठ्यसन्दर्भों का मानचित्रों द्वारा निरूपण भी अपेक्षित रहेगा।

अनुशंसित पुस्तकें :

1. Building construction , S.C. rangwala, Charotar publishing hause, Anand
2. Engineering materials , S.C. rangwala, Charotar publishing hause, Anand
3. भूकम्प , श्यामसुंदर शर्मा , ज्ञान गंगा ,दिल्ली
4. विष्णुधर्मोत्तर पुराण , चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी

अङ्कविभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नलिखित व्यवस्थानुसार प्रश्न होंगे –

1 बहुविकल्पीयप्रश्न	1 × 5 = 5
2 लघूत्तरीयप्रश्न	2 × 5 = 10
3 दीर्घोत्तरीयप्रश्न	4 × 5 = 20
आन्तरिक मूल्यांकन	15

एम्.ए.वास्तुशास्त्र

M.A. VASTUSHASTRA

तृतीय सत्रार्द्ध

प्रश्नपत्र – प्रथम

मय - वास्तु पूर्णाङ्क 35 +15 = 50

इकाई 01	मयमत अ. 06 दिक्परिच्छेद , अ. 07 पदविन्यास , अ. 12 गर्भविन्यास	07
इकाई 02	मयमत अ. 14 अधिष्ठानविधान , अ. 15 पादप्रमाणद्रव्यपरिग्रहविधान , अ. 19 एकभूमिविधान	07
इकाई 03	मयमत अ. 20 द्विभूमिविधान , अ. 21 त्रिभूमिविधान , अ. 24 गोपुरविधान	07
इकाई 04	मयमत अ. 25 मण्डपसभाविधान , अ. 26 शालाविधान	07
इकाई 05	मयमत अ. 27 चतुर्गृहविधान ,अ. 28 गृहप्रवेश , अ. 30 द्वारविधान श्लो. 54 तक	07

टीप:- प्रत्येक इकाई के पाठ्यसन्दर्भों का मानचित्रों द्वारा निरूपण भी अपेक्षित रहेगा।

अनुशंसित पुस्तकें :

1. मयमत , टीकाकार – शैलजा पाण्डेय, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी
2. मयमत , टीकाकार – ब्रूनो डेगॅस, मोतीलाल बनारसीदास प्रकाशन , वाराणसी

अङ्कविभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नलिखित व्यवस्थानुसार प्रश्न होंगे –

1 बहुविकल्पीयप्रश्न	1 × 5 = 5
2 लघूत्तरीयप्रश्न	2 × 5 = 10
3 दीर्घोत्तरीयप्रश्न	4 × 5 = 20
आन्तरिक मूल्यांकन	15

एम्.ए.वास्तुशास्त्र

M.A. VASTUSHASTRA

तृतीय सत्रार्द्ध

प्रश्नपत्र – द्वितीय

भोज - वास्तु

पूर्णाङ्क 35 +15 = 50

इकाई 01	**समरांगणसूत्रधार** अ. 01 वास्तु प्रस्तावना , अ. 02 विश्वकर्मा – पुत्र सम्वाद , अ. 03 प्रश्नाध्याय (वास्तुविषयसूची) , अ. 04 सृष्ट्योत्पत्ति	07
इकाई 02	**समरांगणसूत्रधार** अ. 05 भुवनकोष , अ. 06 वास्तुकर्मोत्पत्ति , अ. 07 वर्णाश्रमधर्म , अ. 08 भूपरीक्षा	07
इकाई 03	**समरांगणसूत्रधार** अ. 09 हस्तादिमान , अ. 10 पुरनिवेश , अ. 13 मर्मभेद , अ. 15 राजनिवेश	07
इकाई 04	**समरांगणसूत्रधार** अ. 16 वनप्रवेश , अ. 19 चतुश्शालविधान	07
इकाई 05	**समरांगणसूत्रधार** अ. 20 निम्नोच्चभूमिफल , अ. 21 त्रिशालगृहलक्षण , अ. 22 द्विशालगृहलक्षण , अ. 23 एकशालगृहलक्षण	07

टीप:- प्रत्येक इकाई के पाठ्यसन्दर्भों का मानचित्रों द्वारा निरूपण भी अपेक्षित रहेगा।

अनुशंसित पुस्तकें :

1. समरांगणसूत्रधार , टीकाकार – श्रीकृष्ण जुगनू , चौखम्भा संस्कृत सीरीज, वाराणसी

अङ्कविभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नलिखित व्यवस्थानुसार प्रश्न होंगे –

1 बहुविकल्पीयप्रश्न	1 × 5 = 5
2 लघूत्तरीयप्रश्न	2 × 5 = 10
3 दीर्घोत्तरीयप्रश्न	4 × 5 = 20
आन्तरिक मूल्यांकन	15

एम्.ए.वास्तुशास्त्र

M.A. VASTUSHASTRA

तृतीय सत्रार्द्ध

प्रश्नपत्र – तृतीय

देवालय - वास्तु

पूर्णाङ्क 35 +15 = 50

इकाई 01	**प्रासादमंडन** अ. 01 मिश्रकलक्षण , अ. 02 जगतीदृष्टिदोषायतन , अ. 04 प्रतिमाशिखरादिलक्षण	07
इकाई 02	**प्रासादमंडन** अ. 05 वैराज्यादि प्रासाद , अ. 08 जीर्णोद्धार ,	07
इकाई 03	**मयमत** अ. 33 लिंगलक्षण , अ. 34 पीठलक्षण , अ. 35 अनुकर्मविधान	07
इकाई 04	**मयमत** अ. 36 प्रतिमालक्षण	07
इकाई 05	**विष्णुधर्मोत्तर पुराण – चित्रसूत्र** अ. 3/ 35,36,37,39,40 ,41 ,42 ,43	07

टीप:- प्रत्येक इकाई के पाठ्यसन्दर्भों का मानचित्रों द्वारा निरूपण भी अपेक्षित रहेगा।

अनुशंसित पुस्तकें :

1. मयमत , टीकाकार – शैलजा पाण्डेय, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी
2. प्रासादमंडन , टीकाकार – श्री कृष्ण जुगनू , परिमल प्रकाशन , नई दिल्ली
3. विष्णुधर्मोत्तर पुराण , चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी

अङ्कविभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नलिखित व्यवस्थानुसार प्रश्न होंगे –

1 बहुविकल्पीयप्रश्न	1 × 5 = 5
2 लघूत्तरीयप्रश्न	2 × 5 = 10
3 दीर्घोत्तरीयप्रश्न	4 × 5 = 20
आन्तरिक मूल्यांकन	15

एम.ए.वास्तुशास्त्र

M.A. VASTUSHASTRA

तृतीय सत्रार्द्ध

प्रश्नपत्र – चतुर्थ

आधुनिक वास्तुयोजना पूर्णाङ्क 35 +15 = 50

इकाई 01	मानचित्र निर्माण तथा अध्ययन ,मानचित्र संकेत और चिह्न ,भवनों की योजना तथा प्रारूप के नियम , धूप ,वायु तथा वर्षा का क्षेत्रीय अध्ययन	07
इकाई 02	चिनाई (पत्थर तथा ईट) , पार्टीशन, मेहरावनिर्माणयोजना तथा प्रकार	07
इकाई 03	फर्श, सीढ़ी ,छतनिर्माणयोजना प्रकार ,पलस्तर तथा पुताई	07
इकाई 04	*दरवाजे, खिडकियों ,रोशनदान ,नल, नाली ,सेप्टिक टैंक – निर्माणयोजना प्रकार ,वाटर हार्वेस्टिंग*	07
इकाई 05	*अंत सज्जा, उपस्कर (फर्नीचर) ,विद्युत् व्यवस्था ,बागवानी*	07

टीप:- प्रत्येक इकाई के पाठ्यसन्दर्भों का मानचित्रों द्वारा निरूपण भी अपेक्षित रहेगा।

अनुशंसित पुस्तकें :

1. Building construction , S.C. rangwala, Charotar publishing hause, Anand
2. Engineering materials , S.C. rangwala, Charotar publishing hause, Anand
3. सिविल इंजीनियरिंग ड्राइंग, आर.एस. मलिक ,जी.एस. मेओ, न्यू एशियन पब्लिशर्स ,दिल्ली
4. बागवानी कला , प्रभा भार्गव ,पुस्तकमहल, दिल्ली

अङ्कविभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नलिखित व्यवस्थानुसार प्रश्न होंगे –

1 बहुविकल्पीयप्रश्न	1 × 5 = 5
2 लघूत्तरीयप्रश्न	2 × 5 = 10
3 दीर्घोत्तरीयप्रश्न	4 × 5 = 20
आन्तरिक मूल्यांकन	15

एम.ए.वास्तुशास्त्र

M.A. VASTUSHASTRA

चतुर्थ सत्रार्द्ध

प्रश्नपत्र – प्रथम

मंडन - वास्तु

पूर्णाङ्क 35 +15 = 50

इकाई 01	**राजवल्लभमंडन** अ. 01 मिश्रकलक्षण , अ. 03 आयादिलक्षण	07
इकाई 02	**राजवल्लभमंडन** अ. 05 राजगृहनिवेशादिलक्षण , अ. 03 राजगृहादिलक्षण	07
इकाई 03	**राजवल्लभमंडन** अ. 10 गणितक्षेत्राद्भुतलक्षण , अ. 11 दिनशुध्यादिलक्षण	07
इकाई 04	**राजवल्लभमंडन** अ. 12 गोचरस्वरशकुनलक्षण , अ. 03 ज्योतिषलक्षण , अ. 14 शकुनलक्षण	07
इकाई 05	**वास्तुमंडन** अ. 04 गृहादिनिवेशन	07

टीप:- प्रत्येक इकाई के पाठ्यसन्दर्भों का मानचित्रों द्वारा निरूपण भी अपेक्षित रहेगा।

अनुशंसित पुस्तकें :

1. राजवल्लभमंडन , टीकाकार – श्री कृष्ण जुगनू , परिमल प्रकाशन , नई दिल्ली
2. वास्तुमंडन , टीकाकार – श्री कृष्ण जुगनू , परिमल प्रकाशन , नई दिल्

अङ्कविभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नलिखित व्यवस्थानुसार प्रश्न होंगे –

1 बहुविकल्पीयप्रश्न	1 × 5 = 5
2 लघूत्तरीयप्रश्न	2 × 5 = 10
3 दीर्घोत्तरीयप्रश्न	4 × 5 = 20
आन्तरिक मूल्यांकन	15

एम्.ए.वास्तुशास्त्र

M.A. VASTUSHASTRA

चतुर्थ सत्रार्द्ध

प्रश्नपत्र – द्वितीय

भोज - वास्तु

पूर्णाङ्क 35 +15 = 50

इकाई 01	**समरांगणसूत्रधार** अ. 26 आयव्ययादिज्ञान , अ. सभा - अष्टक , अ. 28 गृहद्रव्यप्रमाण	07
इकाई 02	**समरांगणसूत्रधार** अ. 29 शयनासनलक्षण , अ. 31 यंत्राध्याय , अ. 34 अप्रयोज्यप्रयोज्यवर्णन	07
इकाई 03	**समरांगणसूत्रधार** अ. 35 शिलान्यासविधि , अ. 37 कीलकसूत्रनिपात , अ. 38 वास्तु संस्थान , अ. 35 द्वारगुणदोष , अ. 41 चयविधि (चुनाई)	07
इकाई 04	**समरांगणसूत्रधार** अ. 42 शांतिकर्म , अ. 43 द्वारादि भंगलक्षण अ. 44 स्थपतिलक्षण , अ. 45 अष्टांगलक्षण , अ. 46 तोरणभंगादिशांतिविधान	07
इकाई 05	**समरांगणसूत्रधार** अ. 47 वेदीलक्षण , अ. 48 गृहदोषनिरूपण , भोजकालीन वास्तु रचनाएँ (भोजपुर शिवालय, भोजशाला, भोजताल)	07

टीप:- प्रत्येक इकाई के पाठ्यसन्दर्भों का मानचित्रों द्वारा निरूपण भी अपेक्षित रहेगा।

अनुशंसित पुस्तकें :

1. समरांगणसूत्रधार , टीकाकार – श्रीकृष्ण जुगनू , चौखम्भा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
2. राजा भोज ,डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित ,पब्लिकेशन स्कीम ,जयपुर

अङ्कविभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नलिखित व्यवस्थानुसार प्रश्न होंगे –

1 बहुविकल्पीयप्रश्न	1 × 5 = 5
2 लघूत्तरीयप्रश्न	2 × 5 = 10
3 दीर्घोत्तरीयप्रश्न	4 × 5 = 20
आन्तरिक मूल्यांकन	15

एम.ए.वास्तुशास्त्र

M.A. VASTUSHASTRA

चतुर्थ सत्रार्द्ध

प्रश्नपत्र – तृतीय

मन्दिर स्थापत्य की शैलियाँ

(इतिहास तथा वास्तुयोजनाओं का अध्ययन) **पूर्णाङ्क** 35 +15 = 50

इकाई 01	गुप्त , उडीसा ,चंदेल तथा ग्वालियर शैली	07
इकाई 02	राजपुताना ,मध्यभारत ,राजस्थानी जैन ,गुजरात ,पूर्वी भारत ,वृन्दावन तथा काश्मीर शैली	07
इकाई 03	चालुक्य तथा होयसल शैली	07
इकाई 04	पल्लव तथा चोल शैली	07
इकाई 05	राष्ट्रकूट , पाण्ड्य ,विजयनगर तथा मदुरै शैली	07

टीप:- प्रत्येक इकाई के पाठ्यसन्दर्भों का मानचित्रों द्वारा निरूपण भी अपेक्षित रहेगा।

अनुशंसित पुस्तकें :

1. मन्दिर स्थापत्य का इतिहास , सच्चिदानंद सहाय , बिहार हिंदी ग्रन्थ अकादमी

अङ्कविभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नलिखित व्यवस्थानुसार प्रश्न होंगे –

1 बहुविकल्पीयप्रश्न	1 × 5 = 5
2 लघूत्तरीयप्रश्न	2 × 5 = 10
3 दीर्घोत्तरीयप्रश्न	4 × 5 = 20
आन्तरिक मूल्यांकन	15

एम्.ए.वास्तुशास्त्र

M.A. VASTUSHASTRA

चतुर्थ सत्रार्द्ध

प्रश्नपत्र – चतुर्थ

व्यवहार वास्तु

पूर्णाङ्क 35 +15 = 50

इकाई 01	**वास्तुमंडन** अ. 07 दूषणभूषण **वास्तुरत्नाकर** अ. 06 गृहोपकरण	07
इकाई 02	आवासीय ,औद्योगिक तथा व्यावसायिक योजनाओं का अध्ययन एवं वास्तुदोशोपचार(शास्त्रीय,क्षेत्रीय,आधुनिक)	07
इकाई 03	**क्षेत्रीय वास्तुपरम्पराओं के कारक** भौगोलिक तथा प्राकृतिक (यथा हिमाचल में लकड़ी के घर ,असम में बांस के) धार्मिक (इस्लामी मुग़ल स्थापत्य) सांस्कृतिक (आदिवासी घर)	07
इकाई 04	***विदेशी स्थापत्य का भेदोपभेद सहित परिचय*** *मिस्र, बेबीलोन ,मेसापोटामिया , अरब , रोम , ब्रिटिश तथा फ्रांस आदि*	07
इकाई 05	***वास्तु नियमों का वैज्ञानिक अध्ययन*** ***वास्तु नियमों का मनोवैज्ञानिक अध्ययन*** ***वास्तुनियमोल्लंघन के दुष्परिणामों का अध्ययन*** (यथा गुजरात भूकम्प तथा केदारनाथ त्रासदी में अधिक जनहानि ,कोणार्क मन्दिर का टूटना ,मुंबई बाढ़ ,ट्रैफिक जैम)	07

टीप:- प्रत्येक इकाई के पाठ्यसन्दर्भों का मानचित्रों द्वारा निरूपण भी अपेक्षित रहेगा।

अनुशंसित पुस्तकें :

1. Building construction , S.C. rangwala, Charotar publishing hause, Anand
2. Engineering materials , S.C. rangwala, Charotar publishing hause, Anand
3. सिविल इंजीनियरिंग ड्राइंग, आर.एस. मलिक ,जी.एस. मेओ, न्यू एशियन पब्लिशर्स ,दिल्ली
4. भारत का भूगोल ,माजिद हुसैन .mcgraw hill, chennai

उपाध्यक्ष :

अङ्कविभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नलिखित व्यवस्थानुसार प्रश्न होंगे –

1 बहुविकल्पीयप्रश्न	$1 \times 5 = 5$
2 लघूत्तरीयप्रश्न	$2 \times 5 = 10$
3 दीर्घोत्तरीयप्रश्न	$4 \times 5 = 20$
आन्तरिक मूल्यांकन	15

उपाध्याय: